दीपशिखा

सुन्दरता कहँ सुन्दर करई ।
छविगृह दीपसिखा जनु बरई ।।

साहित्य-शिक्षा-संस्कृति को समर्पित हिंदी त्रैमासिक

जनवरी से
मार्च
२००९

Scanned with OKEN Scanner

कृति - दीपशिखा (त्रैमासिक)
वर्ष ३ अंक नौ जनवरी से मार्च २००९
(साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति को समर्पित)

प्रधान सम्पादक - डॉ. गार्गीशरण मिश्र 'मराल'

संपादक - आचार्य भगवत दुबे

संपादकीय कार्यालय - १४३६ बी, सरस्वती कॉलोनी,
चेरीताल वार्ड, जबलपुर - ४८२००२
दूरभाष : २३४००३६ मोबा. ९४२५८९९२३२

मुद्रक - पब्लिक प्रिंटर्स
आगा चौक, जबलपुर

मूल्य - १०/- रु. एक प्रति
४०/- रु. वार्षिक
५००/- रु. आजीवन

प्रकाश्य सामग्री से संबंधित किसी भी विवाद हेतु न्याय क्षेत्र जबलपुर ही होगा। लेखकों के विचार स्वतंत्र हैं। उनसे हमारी सहमति आवश्यक नहीं।

- संपादक

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ
१.	संपादकीय	डॉ. गार्गीशरण मिश्र 'मराल'	३
२.	पत्रांश		५
३.	गजल	शकूर अनवर	८
४.	दोहे बेटी के	प्रो. (डॉ.) शरद नारायण खरे	९
५.	चीख रहे अखबार	ओऽम शरण आर्य 'चंचल'	१०
६.	गजल	डॉ.मिर्जा हसन 'नासिर'	११
७.	गजल	विजय कुमार 'तनहा'	११
८.	गजल	माणिक वर्मा	१२
९.	गजल	कमल किशोर 'भावुक'	१३
१०.	गजल	सुशील कुमार गौतम	१४
११.	गजल	चाँद 'शेरी'	१४
१२.	गजल	नजर द्विवेदी	१५
१३.	गजल	विमलेश चतुर्वेदी 'विमल'	१६
१४.	गजल	ओम रायजादा	१७
१५.	अनकही	विनोद रायसरा	१८
१६.	जब प्राण दूर हो जाते हैं	कुलतार कौर कक्कर	१९
१७.	सच पर ताले	ऋषिवंश	२०
१८.	तेरी आँखें	डॉ. तिलक राज गोस्वामी	२१
१९.	गीत - भूल जाना चाहता हूँ	डॉ. मोहन 'आनन्द'	२२
२०.	गीत	मधुकर गौड़	२३
२१.	गीतिका - सूर्य से नजरें मिलाइये	जगन्नाथ विश्व	२४
२२.	सुबह सुहानी	अशोक गीते	२४
२३.	सपनों का सौदागर	सजीवन मयंक	२५
२४.	दोहे	श्याम सखा श्याम	२६

Scanned with OKEN Scanner

२५.वही करेंगे तेरा अर्चन	बदरी विशाल २७
२६.समीक्षा-फूलों को तलवार बनाते 'इन्द्र' जी के दोहे	आचार्य भगवत दुवे.. ..... २८
२८.पिता का त्याग (कहानी)	देवकीनन्दन शुक्ल ३०
२९.नवगीत	मधुकर अष्ठाना ३३
३०.गीत	अश्वनी कुमार पाठक ३४
३१.गीत	इं. त्रिलोक सिंह ठकुरेला ३५
३२.मुक्तक	प्रो. सी. बी. श्रीवास्तव 'विदग्ध' ३६
३३.प्रकृति का निर्मम प्रहार	जगदीश प्रसाद स्थापक..... ३७
३४.दिल की लाचारी	डॉ. देवेन्द्र शर्मा आर्य ३८
३५.अतीत भेदी (लघुकथा)	आनन्द दीवान ३९
३६.अपराध(लघुकथा)	एन. एस. धीमान 'अशक' ४०
३७.गिरगिट (लघुकथा)	कुन्दन सिंह सजल ४१
३८.प्रवीण चन्दन को पी.एच.डी.	संपादक ४१
३९.अपने तक (लघुकथा)	डॉ. दरवेश 'भारती' ४२
४०.साहित्यकार समाचार	संपादक ४२
४१.बोनसाई एक महान कला (व्यंग्य)	कैलाशचंद्र जायसवाल ४३
४२.वाह फुरसत (लघुकथा)	राजा चौरसिया ४६
४३.इसकी टोपी उसके सिर (व्यंग्य)	विवेक रंजन श्रीवास्तव..... ४७
४४.सीमा - रेखा (लघुकथा)	श्रीमती शुक्ला चौधरी..... ४८
४५.एक नई नंदरानी (कहानी)	कौशलेन्द्र पाण्डेय ५०
४६.मातृभूमि शत शत अभिनन्दन	डॉ. मुनवा सिंह चौहान ५५
४७.अखिल भारतीय बाल साहित्य संगोष्ठी एवं सम्मान (रपट)	वेदांत प्रभाकर ५६
४८.कादम्बरी का साहित्यकार/ पत्रकार सम्मान समारोह (विवरण)	संपादक..... ५८
४९.आप भी बचा सकती हैं समय	अणुकिरण रावतभट्ट ६०
५०.रोशनी हूँ	स्व. श्याम श्रीवास्तव ६१

Scanned with OKEN Scanner

रौशनी हूँ

रौशनी हूँ मैं; अंधेरों को हटाने आई,
पाप, अज्ञान को बैरों को मिटाने आई।

मैं कभी कृष्ण के गीत से निकल कर आई,
मीरा, सुकरात के प्यालों से छलक कर आई,
कभी सूली चढ़े ईसा के जिस्म से टपकी-
कभी गाँधी की नंगी देह पहनकर आई।
कई संस्कृतियों के मैं धर्म निभाने आई।
रौशनी हूँ मैं; अंधेरों को हटाने आई।

धर्म, इन्सानियत को लाके मैं कबीर बनी,
हज़ करने के लिए गोमती का तीर बनी,
दर्द अपमानों के रस्ते पे हंसते चलते हुए-
मैं ही अमृत प्रकट करता हुआ क्षीर बनी।
कभी मन्थन, कभी विषपान करने आई।
रौशनी हूँ मैं; अंधेरों को हटाने आई।

– स्व. श्याम श्रीवास्तव

Scanned with OKEN Scanner

डेढ़ लाख लाड़लियाँ बनी लखपति

लाड़ली लक्ष्मी योजना से

संभागवार प्रगति

भोपाल	28,358
इन्दौर	18,593
जबलपुर	42,307
उज्जैन	16,091
सागर	14,078
रीवा	11,802
ग्वालियर	19,428

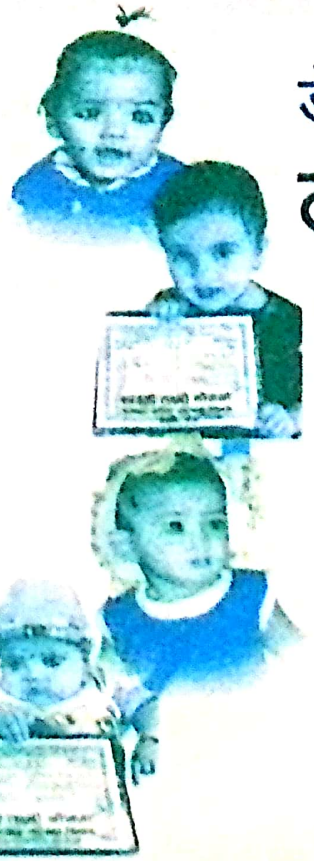

लाड़ली लक्ष्मी योजना से संभव होगी -

- जनसंख्या दर में कमी
- मातृ मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी
- शिक्षा का बढ़ता प्रतिशत
- सही उम्र में ब्याह

अब वह ले सकेगी जन्म....
पढ़ेगी और खूब आगे बढ़ेगी....
ब्याही जाएगी सही उम्र में....
बदल देगी इतिहास....

श्री शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश शासन

D-67834

बढ़ते कदम... बेहतर कल की ओर...

महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश

Scanned with OKEN Scanner